''दून एजुकेशनल फार्म फेस्ट एंड फूड एक्सपो–2019 में नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर की सक्रिय सहभागिता एक ज्ञानवर्धक सार्थक पहल–डॉ. जुयाल''

जबलपुर। विगत दिवस नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय द्वारा **''दून एजुकेशनल फार्म फेस्ट एंड फूड एक्सपो–2019 में आयोजित राष्ट्रीय मेला में देहरादून (उत्तराखंड)''** में दिनांक 13 से 15 दिसम्बर 2019 को बृहद आयोजन हुआ। इस भव्य राष्ट्रीय मेला में नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर (म.प्र.) ने सक्रिय रूप से भाग लेकर अपने दायित्वों का निर्वाहन निष्ठापूर्वक संपादित किया। इस त्रिदिवसीय मेले में वि. वि. के उद्देश्यों में से एक विस्तार गतिविधियों के अनुरूप प्रदर्शन खंड में विभिन्न आयामों जैसे मध्यप्रदेश के मूल स्थानों में पायी जाने वाली **गायों की नस्लें:–**मालवी, निमारी, केनकथा, गैलाव, **भैंस की नस्लः–** भदावरी, **बकरी की नस्लः–** जमुनापारी, **कुक्कुट की नस्लः–** कड़कनाथ, वि.वि. द्वारा **विकसित उन्नत कुक्कुट नस्लः–** नर्मदा–निधि, पशुओं की नस्लें फार्मर फर्स्ट परियोजना द्वारा विकसित पशुधन पंचाग 2020 एवं वि.वि. द्वारा गौ–माता की उपयोगिता के तहत् **पंचगव्य सामग्रीः–** तुलसी पौधे युक्त गोबर के गमले, गौ–मूत्र अर्क, हवन टिकिया, मच्छरनाशक कुंडली आदि के उत्पादन की आधुनिक तकनीकी जानकारी को फ्लेक्स, फोल्डर तथा चार्ट के द्वारा प्रदर्शित करते हुये,

प्रदर्शन खंड पर विशिष्ट अतिथियों, कृषकों व पशुपालकों को तकनीकी जानकारी से अवगत कराया गया। साथ ही कृषकों/पशुपालकों की आय वृद्धि को दो–गुना लक्ष्य हासिल करने हेतु **''उन्नत पशुपालन साहित्य''**:– दुधारू पशुप्रबंधन, डेयरी पालन प्रबंधन, सघन गौ–वत्स पालन, व्यवसायिक दुग्ध उत्पादन, दुधारू पशुओं का प्रबंधन एवं उच्च दूध उत्पादन, बकरी पालन प्रबंधन, सघन बकरी एवं सूकर पालन, व्यवसायिक बकरी पालन, वैज्ञानिक पद्धति से बकरी पालन, व्यवसायिक कुक्कुट पालन, कड़कनाथ मुर्गीपालन, जैविक पशुपालन वर्तमान की आवश्यकता, पशु स्वास्थ्य एवं प्रबंधन, पशुपालन एवं पशु चिकित्सा विषयक उन्नत तकनीक, पशु प्रजनन निर्देशिका, हरे चारे के अभाव के समय पशु आहार साइलेज एवं अजोला, जैविक खेती एक वरदान एवं केंचुआ खाद संवर्धन आदि जैसे विषयों से संबंधित प्रकाशित पठन–पाठन सामग्री एवं पंचगव्य सामग्रीयों का कृषकों/पशुपालकों को वितरण किया गया।

त्रिदिवसीय मेला में राष्ट्रीय व प्रदेश के विख्यात विद्वानजनों, विशिष्ट अतिथियों, केंन्द्र व म.प्र. शासन के उच्च अधिकारियों/प्रशासकों, कृषकों तथा पशुपालकों ने तीनों दिनों में इस प्रकार प्रदर्शन खंड पर 125 से अधिक भ्रमणकत्ताओं द्वारा प्रदर्शनी का निरीक्षण एवं अवलोकन किया।

''दून एजुकेशनल फार्म फेस्ट एंड फूड एक्सपो–2019 मेला में हमारे वि.वि. के डॉ. नितिन बजाज, नोडल अधिकारी द्वारा निरंतर निरीक्षण, अवलोकन व मार्गदर्शन दिया गया। इस मेले में उत्तराखंड राज्य शासन के विधानसभा अध्यक्ष माननीय श्री प्रेमचंद अग्रवाल जी, के

द्वारा कार्यक्रम का उद्घाटन, कृषि मंत्री श्री सुबोध उन्याल, श्रीमति मुन्नी शाहजी, विधायक, श्रीमति सुशीला बालोनी, वरिष्ठ समाज सेवी, श्री गौरव मिश्रा, पंजाब केशरी, डॉ. एस. फारूक, हिमालय औषधीय, पशुपालन मंत्री, संचालक पशुचिकित्सा सेवायें, उत्तराखंड राज्य शासन, **''दून एजुकेशनल फार्म फेस्ट एंड फूड एक्सपो–2019** मेला के आयोजक अध्यक्ष श्री उमेश नौडियाल, उपाध्यक्ष, श्री एन्थोनी बारबोजा, एवं श्री उमेश भट्ट, आयोजन सचिव डॉ. अतुल जोशी, श्री अखिलेश शर्मा जी एवं मेला आयोजक समिति देहरादून एवं समस्त अधिकारी/वैज्ञानिक गण, प्रोगेसिव डेयरी फामर्स एसोशियन, ग्रामीण अंचलों से आये कृषकों/पशुपालकों की उपस्थिति न केवल

उल्लेखनीय रही, अपितु सभी ने प्रदर्शन खंड की गतिविधियों का अवलोकन कर, सराहनीय कार्य प्रतिपादित किया। इस अवसर पर प्रदर्शन खंड पर तुलसी पौधा युक्त गोबर के गमला सहित पंचगव्य उत्पाद एवं पशुपालन संबंधी प्रकाशित सामग्रीयाँ विशिष्ट अतिथियों को भेंट की गई।

इस मेला में उद्घाटन कार्यक्रम 13/12/2019 को माननीय श्री प्रेमचंद अग्रवाल जी के अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुये पशुपालकों को प्रेरित किया, ताकि उत्तराखंड प्रदेश के कृषक/पशुपालक भाई इस मेले से ज्ञानार्जन कर अपनी सामाजिक–आर्थिक स्थिति में सुधार लाने एवम् आमदनी को दो–गुना करने के लक्ष्य को हासिल करने हेतु देश व प्रदेश में **एकीकृत प्रक्षेत्र पद्धति को अंगीकृत** कर अपनायें। इस मेले में प्रदर्शन खंड की विस्तृत जानकारी डॉ. नितिन बजाज द्वारा एक दूरदर्शन–वार्ता की रिकार्डिंगः– दूरदर्शन चैनल, के माध्यम से आयोजित की गई। प्रेस एवं इलेक्ट्रानिक मीडिया की उपस्थिति एवं भूमिका इस मेले में सराहनीय रही। इस अवसर पर पशु प्रतियोगिता एवं कृषक संगोष्ठी आयोजन से पशुपालक भाई लाभान्वित हुये।

इस मेले में **''दून एजुकेशनल फार्म फेस्ट एंड फूड एक्सपो–2019** के आयोजन में प्रोग्रेसिव डेयरी फामर्स एसोशियन का सहयोग व मार्गदर्शन प्रशंसनीय रहा है। ना.दे.प.चि. विज्ञान विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक– डॉ. नितिन बजाज, नोडल अधिकारी, संचालनालय विस्तार शिक्षा, ना.दे.प.चि.विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर एवं श्री देवेश उपाध्याय, वरिष्ठ अनुसंधान सहायक एवं श्री आशीष यादव, क्षेत्र सहायक फामर्स फर्स्ट परियोजना, जबलपुर का सहयोग एवं भूमिका सक्रिय रही।

सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी
ना.दे.प.चि.वि.वि., जबलपुर (म.प्र.)